

Code No.: MFVJ-22

Total No. of Questions : 8

Total No. of Printed Pages : 1

स्नातकोत्तरपरीक्षा:- २०१५

एम्.ए. - विद्वदुत्तमा - प्रथमवर्षम्

शास्त्रम् - जैनसिद्धान्तशास्त्रम्

भाग: - I, पत्रिका - II

विषय: - रत्नकरण्डकश्रावकाचार: - I

दिनाङ्क: - 26-3-2015

गरिष्ठाङ्का: - ८०

समय: - 10.00 A.M. to 1.00 P.M.

Max. Marks - 80

-
- | | |
|--|----|
| I. रत्नकरण्डक ग्रन्थस्य मङ्गलपद्यं विलिख्य विवृणुत। | 10 |
| II. समन्तभद्राचार्यः कः? तस्य देशकालादिकं लिखत। | 10 |
| III. अष्टमदानां नामानि विलिख्य? तेषां स्वरूपं विचारयत। | 10 |
| IV. मोहि मुनिनात् निर्मोहि गृहस्यः श्रेष्ठः कथं? विशदयत। | 10 |
| V. दोषाः कति? तेषां नामानि विलिख्य विचारयत। | 10 |
| VI. सम्यग्दर्शनस्य लक्षणं ग्रन्थोक्तदिशा विवृणुत। | 10 |
| VII. प्रभावनाङ्गस्य लक्षणं उक्ता? विचारयत। | 10 |
| VIII. एतेषां स्वरूपं विशदयत। | 10 |
| १. अन्तरङ्गपरिग्रहाः। | |
| २. मित्याशास्त्रस्य लक्षणम्। | |
-